

2020/00049

# न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी

## आज्ञा - पत्र

न्यायालय भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी  
 कोटा (राज.)

उन्वान देव/लाल  
 बनाम रमेश  
 किस्म मुकहमा धारा 223 मि. नं. 2020/00049 सन  
 अधिभाषक अपीलाद जी. चन्द्र प्रसाथ (अपेक्षित) अधिभाषक रैस्पॉन्डेंट जी. प्रो. पी. मेहता

नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
<p>24-2-2021</p>	<p>पत्रावली कोर्ट केमप द्वारा पेश हुई/अभिभाषक अपीलाद उपस्थित नहीं है। अभिभाषक रैस्पॉन्डेंट उपस्थित। अभिभाषक अपीलाद को बार-बार फुक-फुक कर आवाजें लगावत गई लेकिन उनकी ओर सकोई भी उपस्थित नहीं हुआ। जज, पत्रावली अदमदजरी पूर्व अदमद परवी में शारीज की जाती है। पत्रावली फेंसल शुमार होकर अदमद वामील एवं वामील दारिषल दफ्तर ही।</p>	<p>अदमदजरी</p> <p><i>(Signature)</i></p> <p>Sipmalh</p>



**(महेन्द्र लोढ़)**  
 भू-प्रबन्ध अधिकारी  
 एवं  
 पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी  
 कोटा (राज.)



5. बृजराज पुत्र छीतरनाथ जाति नाथ
  6. सुशीला बाई पत्नी जोधराज पुत्री मांगीलाल बैरवा
  7. मांगीलाल पुत्र बाबूलाल सुमन जाति माली
  8. रोडू पुत्र किशोर जाति जाटव
  9. श्याम पुत्र सीता बाई जाति मीणा
  10. शिव प्रकाश पुत्र गोस्धन जाति नाथ
- निवासीगण कुन्जबिहार कॉलोनी अटरू रोड, बांरा राजस्थान

— रेस्पोंडेन्ट

अपील विरुद्ध निर्णय एवं डिक्री दिनांक 02.08.19

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, बांरा

वाद संख्या 78/17 बसनवान देवलाल बनाम महेन्द्र

अन्तर्गत धारा 223 राजस्थान टीनेन्सी एक्ट

मान्यवर,

अपीलान्त निम्न निवेदन करते हैं:-

1. यह कि निर्णय एवं डिक्री योग्य अधीनस्थ न्यायालय विधि एवं न्याय के सर्वथा विपरीत है जो निरस्तयोग्य है।
2. यह कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय ने विवादित आराजी ग्राम सुसावन पटवार हल्का बांरा की आराजी संख्या 1014/748 रकबा 0.93 हैक्टर व खसरा नम्बर 1016/713 रकबा 0.23 हैक्टर, कुल 2 किता की 1.16 हैक्टर आराजी के मामले में रेस्पोंडेन्ट क्रम 1/वादी के द्वारा प्रस्तुत वाद अन्तर्गत धारा 183, 188, राज. टीनेन्सी एक्ट अवैधानिक रूप से डिक्री कर अपीलान्त / प्रतिवादीगण को बेदखली करने का आदेश व डिक्री पारित करने में त्रुटि की है।
3. यह कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय ने किसी वकील की अन्डर टेकिंग के आधार पर अपीलान्त के विरुद्ध दिनांक 17.06.19 को एक तरफा कार्यवाही करते हुये निर्णय एवं डिक्री जेरअपील पारित की है जो अवैधानिक है ,

16/3/20